सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के पासिंग आउट समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का उद्‌बोधन।

(दिनांक 02 अप्रैल, 2024)

जय हिन्द!

देश सेवा की कठिन डगर की चुनौती को स्वीकार करने वाले, माँ भारती की सेवा को अपने जीवन का लक्ष्य बनाने वाले जोश, जज्बे और उत्साह से भरे युवाओं के पासिंग आउट समारोह में सम्मलित होने पर मुझे असीम प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

सचमुच आज, मैं अत्यंत गर्व और पुरानी यादों से भर गया हूँ। जब मैं सैनिक स्कूल कपूरथला में कैडेट के रुप में अपने दिनों को याद करता हूं तो मुझे अपने युवा कैडेटों की उल्लेखनीय यात्रा को देखकर गर्व की अनुभूति होती है। सैनिक स्कूल का पूर्व छात्र होने के नाते, मैं आप सभी में निहित मूल्यों, अनुशासन और कर्तव्य बोध को भी अच्छी तरह महसूस कर रहा हूं।

साथियों,

सैनिक स्कूल घोड़ाखाल का अतीत बहुत ही गौरवशाली रहा है। यह सबसे प्रतिष्ठित सैनिक स्कूल है, जिसने सैन्य शिक्षा के केंद्र के नाते अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि स्कूल को एनडीए में सबसे अधिक संख्या में कैडेट भेजने के लिए 9 बार 'रक्षा मंत्री ट्रॉफी' जीतने का सम्मान मिला

है। मेरा विश्वास है कि जल्द ही आपके खाते में 10वीं ट्रॉफी भी होगी।

सीडीटी शिवराज सिंह पछाई प्रतिष्ठित एनडीए परीक्षा में देश भर में टॉपर बनकर उभरे। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, 151 कोर्स में एआईआर 1 हासिल करके, आपने रक्षा सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए मैं, आपको हृदय तल से बधाई देता हूं।

प्यारे बच्चों,

निःसंदेह आपने कड़ी मेहनत और गहन समर्पण से डिग्रियां और पुरस्कार अर्जित किए हैं। आज का यह स्वर्णिम अवसर, आप सब बच्चों की तरह आपके प्रशिक्षकों, मार्गदर्शकों और अभिभावकों के लिए भी उतना ही गर्व का क्षण है जितना आपके लिए है, वह इसलिए कि आपकी सफलता में उनका भी योगदान है।

आपके पाठ्यक्रम की सफलतापूर्वक समाप्ति उन चुनौतियों के लिए केवल प्रारंभिक प्रयास हैं जो भविष्य में आपके सामने आने वाले हैं। आज आप एक ऐसे युग में हैं जहां मन की सीमाओं के ऊपर टेक्नोलॉजी परिवर्तन के रूप में कदम बढ़ा रही है, जिसके लिए आपको तैयार रहना चाहिए।

बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए, यह विशेष दिन वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और त्याग की पराकाष्ठा का प्रतीक है। अकादमिक उत्कृष्टता के साथ ही आपने यहां चरित्र–निर्माण, नेतृत्व और सौहार्द का पाठ

पढ़ा है। मुझे विश्वास है कि आप चुनौतियों का मुकाबला कर, बाधाओं को पार करते हुए दुनिया से मुकाबला करने के लिए पूर्णतः तैयार हो गए हैं।

मैं आज यहां उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। आपके अमूल्य सहयोग, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने इन युवाओं के भविष्य को सही दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुझे भरोसा है कि आपके प्रयास, आने वाले वर्षों में भी फलीभूत होते रहेंगे।

प्यारे बच्चों,

मुझे एक सैन्य अधिकारी के रूप में 40 वर्षों तक देश सेवा का सुअवसर मिला, इसे मैं अपना सौभाग्य मानता हूं। मेरा मानना है कि देश सेवा से बढ़कर कोई कार्य जीवन में महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। सैनिक स्कूल ने आपके अंदर ईमानदारी, साहस, निःस्वार्थता और नैतिक मूल्यों का संचार किया है, निश्चित ही ये सभी गुण आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में सफलता के लिए बहुत अहम साबित होंगे। जैसे ही आप इस परिसर से परे, बाहरी दुनिया में कदम रखेंगे, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इन मूल्यों को मजबूती से पकड़े रहें, क्योंकि यह चुनौतियों और प्रतिकूल परिस्थितियों में आपका मार्ग दर्शन करते रहेंगे।

जीवन के इस नए अध्याय की शुरुआत करते समय यह जरूर याद रखें कि आपने यहां जो ज्ञान और कौशल हासिल किया है वह स्वयं की प्रगति के साथ ही बड़े पैमाने पर समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए भी है।

ध्यान रहे, उन लोगों द्वारा किए गए प्रयासों को कभी न भूलें जिन्होंने आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करने में योगदान दिया है।

मुझे खुशी है कि इस स्कूल में युवा कैडेट्स, अकादमिक, शारीरिक और मानसिक रुप से देश की सेना में सेवा देने के लिए तैयार हो रहे हैं, यह संस्थान और यहां के शिक्षक देश सेवा के जज्बे से पूर्ण, आप सब युवाओं को रचनात्मक उद्देश्यों के लिए, आपकी ऊर्जा को सही दिशा में प्रवाहित करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि इस संस्थान ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के माध्यम से भारतीय सशस्त्र बलों के लिए सैकड़ों अधिकारियों को तैयार किया है, मेरा मानना है कि सैनिक स्कूल राष्ट्र निर्माण के लिए युवा सैन्य शक्ति को तैयार करने की आधारभूत पाठशाला है।

हमें अपने युवाओं को, देश के शूरवीरों की वीर गाथाओं एवं भारत के बहादुरों से परिचित कराना भी आवश्यक है। देश के सैनिकों की बहादुरी के बारे में बच्चों में जागरूकता बढ़ाना हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भी है, ताकि देश का हर नागरिक वीरता और साहस को आत्मसात करें, जिससे हरेक युवा राष्ट्र–भक्ति, राष्ट्र–प्रेम, और राष्ट्र–प्रथम के भाव से ओत–प्रोत होकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

यह प्रसन्नता की बात है कि 01 जनवरी, 2024 को उत्तर प्रदेश में मथुरा के वृन्दावन में बालिकाओं के लिए पहला पूर्ण सैनिक स्कूल 'गुरुकुलम सैनिक स्कूल' भी शुरू हो चुका है। यह बालिका सैनिक स्कूल उन बेटियों के लिए आशा की किरण है, जो सशस्त्र बलों में शामिल होने तथा मातृभूमि की रक्षा करने का जज्बा रखती हैं।

हमारी बेटियों की मेधा, शक्ति, शौर्य और पराक्रम किसी भी स्थिति में कमतर नहीं है। मुझे अपार खुशी हो रही है कि अब आप सभी नौजवान बेटों के साथ–साथ हमारी बेटियां भी इस सैन्य परम्परा का हिस्सा बन रही हैं, बेटियों को मिल रहे अवसरों से निश्चित ही हमारा देश और हमारा समाज उत्तरोत्तर प्रगति की नई मिसाल कायम करेगा।

आज हमारी होनहार बेटियां जीवन के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए हमारे बेटों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ते हुए देश का नाम रोशन कर रही हैं, निश्चित तौर पर सेना की यह नई परम्परा बालिकाओं के व्यक्तित्व को नए आयाम देने वाली होगी।

वर्तमान में देश में 100 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना की पहल भारत को सैन्य दृष्टि से समर्थ और मजबूत बनाने के लिए अहम साबित होगा। इसके तहत 42 विद्यालय स्थापित किए जा चुके हैं। ये मौजूदा 33 सैनिक स्कूलों के अतिरिक्त बनने वाले विद्यालय हैं।

प्यारे बच्चों,

आज नए भारत का युवा विकसित भारत के भविष्य के लिए नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। यह समय है, सही समय है, यह पहल करने का समय है, जब आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित हैं, और समाज में नई ऊर्जा और नया दृष्टिकोण लाने के लिए तैयार हैं। यह समय अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने और अपने सपनों की ओर बढ़ने का है।

वर्तमान समय में नई पीढ़ी को यह समझना होगा कि वे भविष्य के भारत की मजबूत नींव कैसे रख सकते हैं। आप उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखें, चुनौतियों को विकास के अवसर के रूप में बदलें। आप अपने लिए एक सटीक लक्ष्य निर्धारित करें और इसको साकार करने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करते हुए समर्पित भाव से परिश्रम करें।

एक समय था जब एक राष्ट्र के रूप में हमारे पास संसाधन सीमित थे, लेकिन आज यह परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। आज ऊंची उड़ान भरने की चाह रखने वाले युवाओं के पास आकांक्षाओं का खुला आकाश है।

आप अपनी क्षमताओं को पहचानिए, उन्हें विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत जारी रखें, निश्चित ही सफलता आपके कदम चूमेगी।

देश के भविष्य को आकार देने के लिए युवा सबसे महत्वपूर्ण सम्पदा हैं। आप भविष्य में एक विकसित राष्ट्र की जिम्मेदारी संभालेंगे। आप जैसे सामर्थ्यवान युवा 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, मुझे पूर्ण विश्वास है।

राष्ट्र की संप्रभुता, एकता और अखण्डता के लिए महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह जी की वीरता, साहस, त्याग और उनके आदर्श, उनका शौर्य, उनके विचार हम सभी के लिए आज प्रेरणा देने वाले हैं।

हमारे देश के महान् क्रांतिकारी सुभाष चन्द्र बोस, सरदार भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू जैसे युवाओं ने देश की स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए अपनी जवानी, अपना जीवन, अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। जिनके त्याग की प्रकाष्ठा को याद करने से आज भी राष्ट्र प्रेम का भाव हमारे अंदर हिलोरे मारने लगता है।

आज जब हम युवा शक्ति के बल पर विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, इस अमृत महोत्सव में हम अपने वीर सैनिकों की वीर गाथाओं को याद करें, उनके अदम्य साहस बलिदान को याद करें, स्वतंत्रता के आंदोलन में असाधारण योगदान करने वाले महान् सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें।

आज हम, युवा शक्ति के बल पर दुनिया को अपनी कर्मठता, लगन और मेधा से प्रभावित करने में सफल हुए हैं। आप अमृत काल की अमृत पीढ़ी, भारतीय सेना की शौर्य गाथा को बुलंदियों तक पहुँचाने में पूरे जोश, उत्साह और सामर्थ्य से कार्य करेंगे, ये मेरा दृढ़ विश्वास है।

इस महत्वपूर्ण पासिंग आउट समारोह पर आप सभी को और विशेष रुप से विजेताओं को उनकी उल्लेखनीय सफलता के लिए मेरी बधाई और शुभकामनाएं। मैं आप सभी के भविष्य के प्रयासों में सफलता, खुशी और पूर्णता की कामना करता हूं। आप जहां भी जाएं, राष्ट्र निर्माण की भावना को अपने साथ लेकर नई ऊंचाईयों की ओर बढ़ते रहें।

ये अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है। इस परिसर के बाहर दुनिया बेसब्री से आपका इंतजार कर रही है।

जय हिन्द!